www.xtrapapers.com

M12/1/A1HIN/HP2/HIN/TZ0/XX

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

HINDI A1 – HIGHER LEVEL – PAPER 2
HINDI A1 – NIVEAU SUPÉRIEUR – ÉPREUVE 2
HINDI A1 – NIVEL SUPERIOR – PRUEBA 2

Tuesday 15 May 2012 (morning)
Mardi 15 mai 2012 (matin)
Martes 15 de mayo de 2012 (mañana)

2 hours / 2 heures / 2 horas

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied. You may include in your answer a discussion of a Part 2 work of the same genre if relevant. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works will not score high marks.
- You are not permitted to bring copies of the works you have studied into the examination room.
- The maximum mark for this examination paper is *[25 marks]*.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. Vous devez baser votre réponse sur au moins deux des œuvres de la 3e partie que vous avez étudiées. Le cas échéant, vous pouvez inclure dans votre réponse une discussion sur une œuvre du même genre littéraire étudiée dans la 2e partie du programme. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la 3e partie n'obtiendront pas une note élevée.
- Vous n'êtes pas autorisé(e) à amener des exemplaires des œuvres que vous avez étudiées dans la salle d'examen.
- Le nombre maximum de points pour cette épreuve d'examen est *[25 points]*.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Elija un tema de redacción. Su respuesta deberá basarse en al menos dos de las obras estudiadas en la Parte 3. Se podrán hacer comentarios sobre una obra de la Parte 2 del mismo género, si fuera necesario. Las respuestas que no incluyan una discusión sobre al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán notas altas.
- No se permite traer a la sala de examen copias de las obras estudiadas.
- La puntuación máxima para esta prueba de examen es *[25 puntos]*.

© International Baccalaureate Organization 2012

www.xtrapapers.com

*नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग ३ की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए। आप भाग २ में पढ़ी हुई इसी प्रकार की कृतियों की व्यवहारिक चर्चा कर सकते /सकती हैं परन्तु आपका निबन्ध इन पर आधारित नहीं होना चाहिए। ऐसे उत्तर जो भाग ३ पर आधारित **नहीं** है उन्हे सर्वाधिक अंक **नहीं** दिए जाएंगे।*

कविता

१. कविता में प्रयुक्त अलंकारों एवं प्रतीकों की सफलता उसके अर्थ, चमत्कार एवं प्रभावोत्पादकता पर निर्भर करती है। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कविताओं की तुलना के आधार पर बताइए कि आप इस कथन से किस सीमा तक सहमत है ?

२. कल्पना और विचारों के तालमेल को मधुर शब्दों में प्रकट करने की कला को कविता कहते हैं। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कविताओं के आधार पर इस कथन की सत्यता की समीक्षा कीजिए।

उपन्यास

३. उपन्यास की कहानी विभिन्न मतों एवं विचारधारा को साथ लेकर बढ़ती है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों के आधार पर विभिन्न विचारधाराओं, मतों एवं प्रवृतियों के प्रभावों की समीक्षा कीजिए।

४. उपन्यासकार बहुधा अपने समाज जीवन एवं सामाजिक मूल्यों से प्रभावित होता है जिसमे वह रहता है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों की तुलना के आधार पर उपन्यास किस तरह समाज, सामाजिक संबंधों, मूल्यों तथा राजनैतिक विचारों को अपने में समेटे अथवा संजोये रहता है ?

कहानी

५. "यदि कहानी के के केन्द्र में पात्र न हों तो कथा का विकास नहीं हो सकता।" अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर बताइए कि आप इस कथन से आप किस सीमा तक सहमत है ?

६. कहानीकार अपनी कहानियों के माध्यम से बहुधा किसी एक प्रश्न या समस्या पर विचार करता है तथा उसका समाधान ढूँढने का प्रयत्न करता है। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर कहानीकार द्वारा उठाए गए प्रश्नों की विवेचना करें।

www.xtrapapers.com

नाटक

७. नाटक की रचना में भाषा का सर्जनात्मक प्रयोग, लय, संतुलन, सामंजस्य और अन्विति की विशेषताएँ मिलती है तथा इनके समन्वय के अभाव से नाटक नीरस हो सकता है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो नाटकों के आधार पर बताइए कि नाटकों को रूचिकर बनाने के लिए इन तत्वों का उपयोग किस सीमा तक किया गया है।

८. नाटक का उद्देश्य मात्र मनोरंजन नहीं वरन समाज की समस्याओं से पाठक को अवगत कराना एवं उसका समाधान ढूँढना भी है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो नाटकों के के आधार पर उपर्युक्त कथन की विवेचना कीजिए।

निबंध

९. अपने पढ़े हुए कम से कम दो निबन्धों की विशेषताओं के आधार पर बताइए कि वे किस सीमा तक साहित्यिक, तथ्यपरक एवं प्रमाणिक माने जा सकते हैं ?

१०. निबंधों में क्रमबद्ध चिंतन के द्वारा निबंधकार पाठकों तक अपनी बात पहुँचाता है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो निबन्धों के आधार पर बताइए कि लेखकों ने क्रमबद्ध चिंतन के द्वारा पाठकों को बाँधे रखने में किस सीमा तक सफलता प्राप्त की है ?

साधारण प्रश्न

११. "साहित्य में सपनों के अनगिनत रूप उपलब्ध होते हैं।" इनमें जागते सपने भी हैं- "दिवास्वप्न"। अपने पढ़े हुए कम से कम दो रचनाओं के आधार पर उनमें प्रस्तुत स्वपन, दिवास्वप्न अथवा आकांक्षा वर्णन की विशेषताओं की तुलना कीजिए।

१२. साहित्यिक रचनाओं में लेखक का निजीपन या उसकी शैली की झलक देखने को मिलती है, जो सोद्देश्य हो सकती है। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं के संदर्भ में लेखक की शैली के प्रभावों की तुलना कीजिए।

१३. सुखांत और दुखांत रचनाओं पर विचार विमर्श करते हुए कम से कम दो कृतियों के सन्दर्भ में बताइए कि उनके विषयवस्तु को लेखक लेखिकाओं ने कहाँ तक प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है ?

१४. किशोरावस्था एवं किशोरों के प्रति दृष्टिकोण साहित्य के सृजन में सहायक हैं। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं के आधार पर साहित्य में किशोरावस्था की प्रस्तुति एवं महत्व की विवेचना कीजिए।